# नमामि महर्षि गौतम

## (महर्षि गौतम के सहस्र नाम)

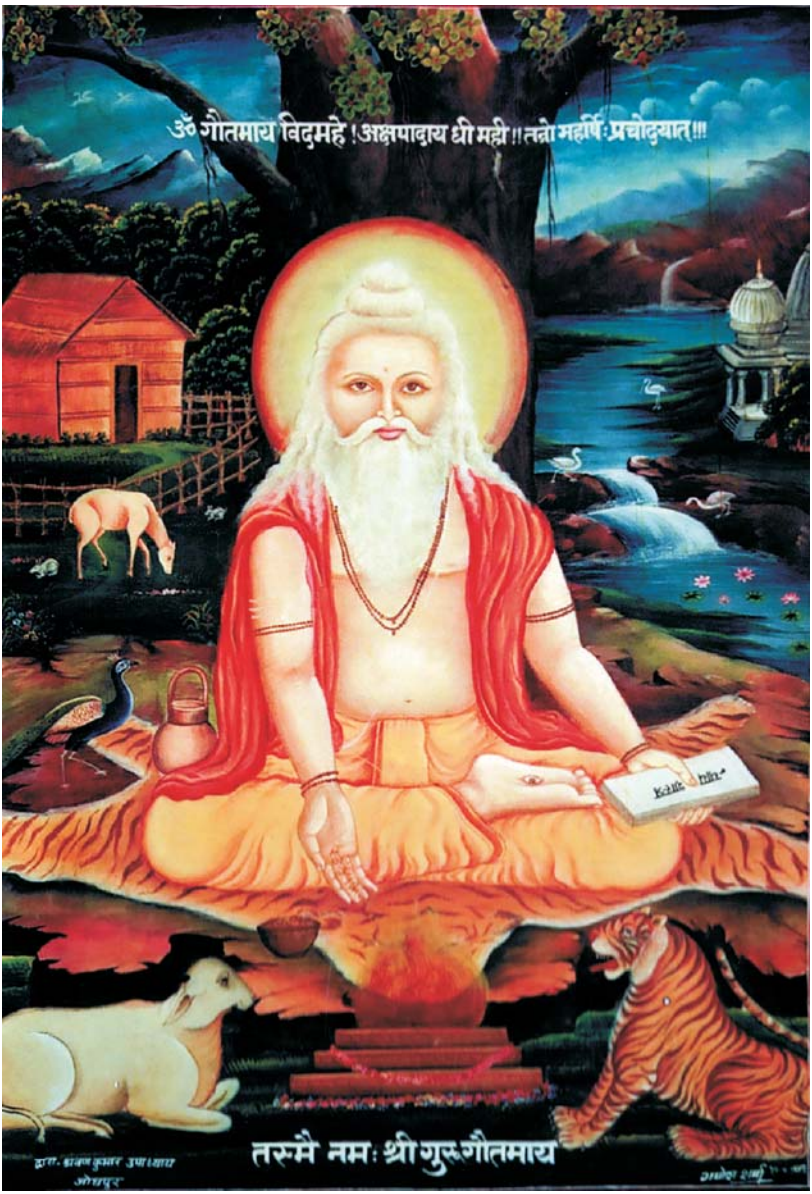


अक्षपाद महर्षि गौतम

**जिज्ञासु**

**नन्दकिशोर शर्मा 'नेक' (जाजड़ा)** (94141 95275)
**राजेन्द्र श्रोत्रिय** (94606 83514)
**श्रवण कुमार उपाध्याय** (72208 24564)

**प्रकाशक**

**श्री गुर्जरगौड़ ब्राह्मण इतिहास संरक्षण एवं संवर्धन समिति, जोधपुर**

(इतिहास संरक्षण का विनम्र प्रयास)

| उद्देश्य | प्रतियाँ | मूल्य |
|---|---|---|
| सामाजिक जागरूकता | 1000 | उत्तरोत्तर प्रचार-प्रसार |

# श्री गौतम चालीसा

**।। दोहा ।।**

श्री हरि-हर-गुरु गणपति, रामश्याम धरि ध्यान ।
मुनि मंडल शृंगार युक्त, श्री गौतम करहुँ बखान ।।

**।। सोरठा ।।**

श्री गौतम ऋषिराज, सकल सिद्धि सामर्थ्ययुत ।
सुगठित शिष्य समाज, सेवित सुख निधि पद कमल ।।

**।। चौपाई ।।**

जय जय जय गौतम गुरु ज्ञानी । न्याय नीति निर्धारित बानी ।।
प्रकट प्रमाण प्रमेय प्रकारा । अविरल शास्त्र सुचिन्तन धारा ।।
सती अहल्या सेव्य निरन्तर । ब्रह्म शक्ति अनुप्राणित अन्तर ।।
धर्म कर्म शुचि मर्म प्रकाशी । अमित तेज अद्‌भुत अविनाशी ।।
दिव्य दृष्टि शुभ सृष्टि विधाता । दया सिन्धु भव सागर त्राता ।।
तर्क शास्त्र सम्राट धुरन्धर । हेतु वाद संवाद महीधर ।।
शोभित सदा सप्तऋषि मंडल । परम पुनीत यथा सुरसरि जल ।।
पुण्य पुंज तप तेज प्रभाकर । तत्त्व रूप सिद्धान्त सुधाकर ।।
गुणगाढ्य गरिमा गुरुदेवा । सेवक नित सम्पन्न सुसेवा ।।
जटा जटिल गम्भीर सुवेशा । नयन युगल राकेश दिनेशा ।।
मुद्रा अभय सदय शुचि शीतल । वाणी ओजमयी मधुरिम फल ।।
उर उदार उद्भूति उन्नायक । वैभव विपुल सुविद्यादायक ।।
तन्त्र मन्त्र कल यन्त्र सुदृष्टा । न्याय मूर्ति दर्शन पथदृष्टा ।।
स्वाभिमान पूरित गुणखानी । सुर नर मुनि सेवित सन्मानी ।।
जप तप यज्ञ होम व्रत नाना । तीर्थ वास मज्जन धन दाना ।।
तिन कर फल मदमोह विनाशा । सो गौतम पूरहिं जिज्ञासा ।।
धर्म परायण अर्थ प्रदाता । आप्त काम मुक्ति उद् गाता ।।

पारंगत श्रुति सूत्र प्रणेता । स्मृति उपनिषदान्वित चेता ॥
जीवन ज्योति ज्ञान रस निर्झर । वाद विज्ञ प्रतिवादी भयंकर ॥
मनना रूढ़ गूढ़ अन्वेषक । कारण कार्य उचित उपदेशक ॥
चतुरानन समचतुर चितेरे । आशुतोष सम गौतम मेरे ॥
घट-पट-विकट विवेचन कर्त्ता । भर्त्ता भाव अविद्या हर्त्ता ॥
ऋद्धि सिद्धि समृद्धि दायक । जन मन रंजन विनय विनायक ॥
नियम निपुण गुण प्रेम प्रकाशी । किंकर क्लेश हरन सुखराशी ॥
शुभाशीष कल्प द्रुम रूपा । प्राप्त पदार्थ अनन्त अनूपा ॥
द्रवित हृदय वात्सल्य निकेता । लिपि ललाट तत्क्षण अध्येता ॥
करामूलक वत् जगत प्रपंचा । ज्ञान कोटि धनु योग्य प्रत्यंचा ॥
गुरु गौतम सम विषम निरीक्षक । शिक्षक शास्त्र पदार्थ परीक्षाक ॥
शतानन्द प्रिय पिता विलक्षण । भुवन मध्य विख्यात विचलक्षण ॥
मूर्त्तिमान तप तेज निरन्तर । शक्ति सुरेश सुपरिचित अन्तर ॥
शाप अहल्या अति अनुकूला । प्राप्त रामरज मंगल मूला ॥
नव सम्वत् सत्युग अवतारी । गौतम मुनिवर ज्ञान विहारी ॥
भव्य स्वागत प्रभाव चिरन्तन । श्री विग्रह आदर्श पुरातन ॥
तर्क ग्राह्य अग्राह्य कुतर्का । प्रवचन प्रिय निगमागम अर्का ॥
चक्रवर्ति शरणागति राजा । गुर्जर कर्ण मनोरथ साजा ॥
सुन्दर सत्य शिवं शुभ संगम । गुर्जरगौड़ विप्र कुल उद्गम ॥
सत्य साध्य साधन धन सत्यं । सत्य दृष्टि युत सृष्टि सुसत्यं ॥
सत्य भाव पुनि सत्य सुकृत्यं । सुफल सत्य वचनामृत भृत्यं ॥
मुनिवर वरद हस्तमम छत्रम् । अकथनीय श्रद्धेय चरित्रम् ॥
गौतम चालीसा जे करि हैं। अक्षपाद अक्षय फलभारि हैं ॥

**॥ दोहा ॥**

जय महर्षि मूर्धन्य प्रिय महामहिमं शुचिवेश ।
तत्व प्रकाशक द्रवहुँ नित, नाशक संसृति क्लेश ॥

**॥ जय गौतम ॥**

रचयिता – गिरिराज गोस्वामी 'अनन्त' (मथुरा)

# महर्षि गौतम सहस्त्र नामावली

श्री गौतम प्रभवे नमः
जितासनाय नमः
जितश्वासाय नमः
जितसंगाय नमः
जितेन्द्रियाय नमः
सुशीलाय नमः
मोदिताय नमः
न्यस्त दर्पाय नमः
मुक्त हस्ताय नमः
दीनोद्धार परायणाय नमः
अनुकंपास्पदाय नमः
सोल्लासाय नमः
नितान्त प्रच्छिन्न गुप्ताय नमः
रमणीकाय नमः
संपादकाय नमः
तर्कातीताय नमः
सुरम्यकाय नमः
कृतज्ञाय नमः
वत्सलाय नमः
अनिन्द्याय नमः
अनीहाय नमः
स्वस्तये नमः
सुकुमाराय नमः
सारस्वताय नमः
रससिद्धाय नमः
गुणग्रह्याय नमः
भीमसत्वाय नमः
पुण्य भजाय नमः
अभ्यर्थनीयाय नम
सत्याय नमः
सनातनाय नमः
सुखासीनाय नमः
महाधनाय नमः
सुसाधनाय नमः
कोविदाय नमः
पुंडरीकाक्षाय नमः
तरणीतारकाय नमः
वन्द्याय नमः
मकरंद गोवर्धनाय नमः
यंत्र प्रयोजने दक्षाय नमः
तंत्र विस्तार कारकाय नमः
स्वतंत्राय नमः
काललक्ष्यज्ञाय नमः
भृत्यकल्यणाय नमः
नीरवाय नमः
अमानिने नमः
मानदाय नमः
भद्राय नमः
परमहंसाय नमः
सुन्दराय नमः
निरूपकाय नमः
आत्मविद्या विशारदाय नमः
महिमाम्न लिंगाय नमः
स्वस्तिमते नमः
पंडिताय नमः
कलित कलाय नमः
सर्वलोभापहरणाय नमः
आस्थायुताय नमः
परोक्षक्रमाय नमः
संन्यासिने नमः
प्रसन्नाय नमः
संन्यासिने नमः
विषाद् वर्जित क्षेत्राय नमः
आहुति अमर प्रियाय नमः
सम्मोहन निवारकाय नमः
आचरण श्रेष्ठाय नमः
ज्येष्ठाय नमः
प्रसत्त्वाय नमः
पारदर्शकाय नमः
सत्यकृत्य विधायकाय नमः
शाश्वतब्रह्म सम्बन्धनाय नमः
वार्त्तालाप विनिमयाय नमः
धर्मानुरागिणे नमः
सन्तोषिणे नमः
विप्रेम्यो भूरिदक्षिणाय नमः
लालने पालने दक्षाय नमः
ऐश्वर्यातिप्रयोजकाय नमः
ब्रह्माण्ड भाण्डविज्ञाय नमः
चमत्कार रूपाय नमः
हितकर्त्रे नमः
उद्दामोपलब्धि तेजसाय नमः
परमार्थिने नमः
जिजीविषाय नमः
उत्कृष्टाय नमः
मुक्त बंधनाय नमः
अतृप्तचक्षुमर्त्याय नमः

ख्याति प्राप्ताय नमः
प्रतापवते नमः
शुद्धाय नमः
बुद्धि विशुद्ध कृताय नमः
लब्धतत्त्वार्थाय नमः
सश्रमाय नमः
क्लेश कष्ट निवारकाय नमः
अंतर्हिताय नमः
दृगदीक्षा पटवे नमः
बटुसंघनियामकाय नमः
पापमक्षीहुताशनाय नमः
वन्यूहभेदनसामर्थ्याय नमः
सारभोगिणे नमः
तपोमयाय नमः
आलोकाय नमः
व्यवाय व्यक्ताय नमः
सुमेधाय नमः
धारणातीव्राय नमः
आस्तिक नास्तिक युग्माय नमः
रमणाय नमः
शून्य पूर्णाय नमः
ब्रह्मातीत सुबोधकाय नमः
ब्रह्मवादिने नमः
स्वाध्यायप्रमत्ताय नमः
शुभ्र स्वभावाय नमः
हृदय द्रवित सर्वदाय नमः
सर्वोपरिहितकारिणे नमः
वर्जितानंगकालुष्याय नमः
मानसी भावना दिव्याय नमः
लोभक्षोभ दूरस्थाय नमः
संगमालौकिकमूर्तये नमः
दयालवे नमः
विश्वात्मने नमः
स्वेनतेजसे नमः
निःशुल्क परिपोषणाय नमः
तत्त्वार्थ दर्शनाय नमः
सारंगहइवसारभुजे नमः
अकिंचनाय नमः
निषेचनप्राणपादपाय नमः
कनकामामरमूर्तये नमः
पूर्ति पुण्याय नमः
गोचर ग्रहवि ग्रहाय नमः
दैवज्ञाय नमः
दक्ष पूर्णाय नमः
अखंडमंडन ज्योतये नमः
वादसंवाद सार्थकाय नमः
सहिष्णुसर्व संतापाय नमः
ओत प्रोत दयापुंजाय नमः
निरीश्वर ईश्वराय नमः
सत्यान्विताय नमः
तथ्यकष्टाय नमः
गूढज्ञाय नमः
मर्यादा मार्गदर्शकाय नमः
सूत्रधराय नमः
मनोरथचिन्तामणये नमः
सर्वस्नेहप्रवाहकाय नमः
चित्तचैतन्य वातायनाय नमः
संजीवनिने नमः
कालमुष्ट्रिगताय नमः
सृष्टिविक्षेपविघ्ननाशकाय नमः
नटवतलीलानायकाय नमः
जन्मसंवत्सरशुभाय नमः
भाग्योदयविप्राय नमः
उदयज्ञ नमस्काराय नमः
किंकाम्बुज शोभार्थाय नमः
महिमा वृद्धिकर्त्रे नमः
विप्रवृन्द सुपूर्वजाय नमः
यशश्चन्द्रिका विस्तारिणे नमः
आख्यानसर्वदर्शनाय नमः
पीयूष पान तत्पराय नमः
लक्षालक्षसौजन्याय नमः
दृष्कृतानांपराङ्;मुखाय नमः
रसनोग्रवीणापाणये नमः
विलक्षाय नमः
वर्णन भ्रमण सर्वगाय नमः
सुख प्रदाय नमः
मुक्तमुक्ताय नमः
परा पश्यन्ती मध्यमा वैखरी गिराव्याख्यानाय नमः
अकथ वृत्ताय नमः
अलौकिकाय नमः
दिनचर्या व्यवस्थिताय नमः
क्षेमभूषिताय नमः
अभंगप्रेमसंगीताय नमः
सिक्तयोग रसामृताय नमः
अवर्ण्यबलिदानाय नमः
शरण्यसुखदायकाय नमः
दक्षसबल स्वीकाराय नमः
विद्यावाङ्मय धारकाय नमः
वर्णाश्रम व्याख्यात्रे नमः
जातिगोत्र विचारकाय नमः
सुलभ दुर्लभ रूपाय नमः
सेवार्थसर्वसमर्पणाय नमः
अमरोपदेशोद्देश्याय नमः
आम्नायप्रचुरगूढाय नमः
ज्ञान विज्ञान लक्षिताय नमः
दिनचर्या तपचक्षर्याव्रतचर्या अगमवर्ण सागराय नमः
तृणतूल शैल शय्या सर्वावस्था प्रश्नावलि पृथक पृथकाय नमः

वैचित्र्योत्तरमाशुवे नमः
सर्वकाम दुधावीराय नमः
वस्तु मिश्रण ज्ञापकाय नमः
इडासुषुम्ना पिंगला
नाड़ी नियन्त्रकाय नमः
कायाकनक वल्लयै नमः
परमार्थसदारताय नमः
कुंठित बज्र पौरूषाय नमः
कैवल्यकौस्तुभकल्पाय नमः
शिवस्परूप संयुक्ताय नमः
युक्तभुक्ताय नमः
योग प्रयोग साफल्याय नमः
अतुल्यवर्ण्य विक्रमाय नमः
अलभ्यलम्य सागराय नमः
सुदुस्तराय नमः
महात्मय संभ्रत धराय नमः
चतुरलक्ष्य संघान निपुणाय नमः
आस्तिक ज्ञान बास्तिकाय नमः
त्रिलोकदर्शी आलोकाय नमः
विवित्ताय नमः
अद्भुताय नमः
अनुपगाय नमः
संस्थापना परंपराय नमः
लीला ललित विनोदिने नमः
उद्यम गरिमायुक्तये नमः
मुमुक्षुकार्य साधकाय नमः
विभूतये नमः
वास्तवार्जवभंडाराय नमः
रणे दुःख निवारकाय नमः
मथितमाया पुत्तलीतक्रवते नमः
आडंवर बहिष्काराय नमः
स्ववलक्षण विलक्षणाय नमः
क्रीडा मात्र पुनर्भवाय नमः
परमानन्द स्वप्रियाय नमः
ज्ञान विज्ञानकर्मणे नमः
इष्ट शिष्ट सनातनाय नमः
अन्तस्थ परमानंदाय नमः
रहस्य सर्वदर्शकाय नमः
प्रकृति विकृति आभासाय नमः
मार्ग दर्शकायनमः
नैपुण्य प्राज्ञ निर्वाणाय नमः
संभवरिवर्त्तनाय नमः
सहिष्णवे नमः
सत्यक्षनिरत नित्याय नमः
वार्तालाप विशोधकाय नमः
आत्म संसेव्याय नमः
सतांबन्धवे नमः
विकट उत्कटउग्राय नमः
उपदेश प्रयोजनाय नमः
ब्रह्मरंन्ध्रगतागताय नमः
कुलोद्भूत कुलपतये नमः
भूतये नमः
दुर्ज्ञयाय नमः
क्षमातुष्टाय नमः
कर्मयोगिने नमः
संस्कृतिसम्यताप्रियाय नमः
अलौकिक लक्षाय नमः
तत्त्व दर्शिने नमः
आलोक लोक विख्याताय नमः
प्रपंचविस्मृतिकथाय नमः
विगत कल्पषाय नमः
सगुणलीला संश्राव्याय नमः
निर्गुण महात्म्य बोधकाय नमः
नक्षत्रेषु कलानिधये नमः
मघंवाशापदत्तोपि प्राप्त भूरि
दर्शनाय नमः
सौभाग्याय नमः
शून्ये निशब्द नीरवाय नमः
शंभुसंकर्षणरूपाय नमः
ऋद्धि सिद्ध लोक वृद्धि प्रसिद्धि
सार्थक पटवे नमः
अशेषाय नमः
विशेषाय नमः
एकतान चमत्काराय नमः
विशाल सर्व विक्रमाय नमः
संयोजक उद्धारकाय नमः
शास्त्रकार निर्विवादाय नमः
अक्षुण्णकुल वर्धकाय नमः
प्रारब्ध लिपि अध्येत्रे नमः
ज्ञानयोगिनेनमः
स्वस्थाय नमः
तटस्थाय नमः
योगस्थाय नमः
सद्विचार सत्पथ प्रियाय नमः
अप्राकृत प्रकृति गतिविधये नमः
यथार्थ संसर्गवेत्ता चित्तचेतनाय नमः
स्पर्श संश्लिष्टपारसाय नमः
उत्सर्ग स्वर्गसौविध्याय नमः
अखंडआनन्द अम्बुधये नमः
सन्निकर्ष जगन्नाथाय नमः

निष्कर्ष सर्वशास्त्र विवादाय नमः
भक्ति योगरसाप्लुताय नमः
प्रगति प्रेरणा सौम्याय नमः
सुखदायिने नमः
अकामरतिशाश्वताय नमः
आक्रोश रोष विक्रान्ताय नमः
साधना परिरक्षकाय नमः
मन चांचल्य वारकाय नमः
चित्त चैतन्य संचारकाय नमः
अलौकिक पराकाष्ठाय नमः
संन्यास कटि कौपीनाय नमः
सर्वकाम प्रदाय नमः
अनुग्रह अपवर्गाय नमः
तत्त्वज्ञाय नमः
छन्दातीताय नमः
विनोदकृते नमः
परीक्षादीक्षाय नमः
क्षेमक्षेमज्ञ भेदकाय नमः
आत्मने नमः
आप्ताय नमः
व्याप्त गुणग्रामाय नमः
गोप्ता सत्कर्म नूतनाय नमः
कोविदाय नमः
विद्याविद्या तारतम्याय नमः
श्रद्धाभक्ति समन्विताय नमः
केतु सुषमा सौन्दर्याय नमः
मनोज्ञाय नमः
पथिक दुर्गम पंथाय नमः
अवतीर्ण कलेवराय नमः
दिव्यानन्दाय नमः
मातंगी गति सन्मार्गाय नमः
अरण्य शास्त्र केशरिणे नमः
घोष प्रघोष उद्घोषाय नमः
अहंकारनिवृत्तकाय नमः
कर्मठाय नमः
सुमंजुलाय नमः
देशकालकला सूराय नमः
विमलाशयाय नमः
धनधामधरा धैर्याय नमः
ब्रह्मात्मने नमः
सदभिक्षाय नमः
ज्ञानेन्द्रिय नियंत्रकाय नमः
गति प्रगति प्रकृष्टाय नमः
समाधये नमः
उद्घाटक बुद्धि ग्रन्थये नमः
रूपानुरागस्वातन्त्राय नमः
परापरामहामायाय नमः
कुहूकपरिमार्जिताय नमः
संख्यातीत विहंगमाय नमः
समाधानी सम्बोधनाय नमः
संतान सुखदायकाय नमः
निर्वृत्ति चित्त पूरिताय नमः
प्रतिष्ठामनुमूल्याय नमः
अनुकूलभृत्य नर्मदाय नमः
महाभूतप्रपंनाय नमः
रचना विस्तार ज्ञापकाय नमः
संतोष कोशधारकाय नमः
प्राणायाम परायणाय नमः
महामहिम मंचस्थाय नमः
विद्या वैभव धारकाय नमः
कर्णधार मवाब्धये नमः
आत्मग्लानि निवारकाय नमः
भावातीत विशारदाय नमः
विधिनिषेध परिज्ञाताय नमः
बोधी निरोध निर्वाणाय नमः
आश्रमश्रमण श्रमिणे नमः
आर्यवर्य यजमानाय नमः
आदर्श हर्ष शाश्वताय नमः
क्रतु कौशल ऋतिजे नमः
उद्गातासांग सामगाय नमः
अध्वर्युनित्यदीप्तमते नमः
रक्षक मंडप दक्षाय नमः
उदारशीषदायकाय नमः
आभास सर्वघटनाय नमः
अक्षमाला सदाक्रमाय नमः
सुकृतये नमः
विज्ञानिने नमः
निर्मयाय नमः
अग्नि होत्राय नमः
दृष्टादर्श दृश्याय नमः
अहल्या पतये नमः
भावगम्य सुमंगलाय नमः
आचार-विचार वर्याय नमः
आचार्योपदेशकाय नमः
कीर्त्ति वितान वैराग्याय नमः
भाग्य सौभाग्यद्दायकाय नमः
वेदवेदान्त संवेदनाय नमः
संकलनानुशासकाय नमः
सुधिये नमः
मान सम्मान संत्यागिने नमः
पंचकोश प्रपूरकाय नमः
त्रिपुण्ड्र तिलक विंदवे नमः
भस्मसर्वांगभूषिताय नमः
विषविषय विद्वेषाय नमः
विकारोन्मूलकारकाय नमः
पुरुष प्रकृति विकृतये नमः
आकर्षण विकर्षणाय नमः
आवर्त प्रत्यावर्ताय नमः

निवृमाननैराश्याय नमः
सारगर्भित भाषणाय नमः
सस्नेहाकृष्टाय नमः
स्पष्टविदग्धाय नमः
सुदर्शनाय नमः
सत्यपूता वाणी वाचकाय नमः
मनपूत समाचारणाय नमः
ओजस्विने नमः
सानिध्यसेव्यशुश्रूणाय नमः
अपवाद निराकर्त्रे नमः
सर्वकाल सुखाय नमः
तरलाय नमः
निरहाकराय नमः
सद्भावाय नमः
विबुध वृन्द पूजिताय नमः
धन्य मूर्धन्यअक्षपादाय नमः
न्यायात्मने नमः
न्याय प्रियाय नमः
न्यायाधीशाय नमः
न्यायदर्शन परायण नमः
न्याय शास्त्र विलक्षणाय नमः
वाणी वर्जन गंभीराय नमः
सर्जनसुख सम्पदाय नमः
ऋद्धिसिद्धिसमृद्धये नमः
व्यवस्था नर्म शर्मदाय नमः
हेतु सेतु विशेषज्ञाय नमः
बंधक मोक्ष कारकाय नमः
चरणचक्षु विशिष्टाय नमः
परमार्थ प्रदीपकाय नमः
अरण्यवासी तादात्म्याय नमः
तत्त्वतल्लीनअविरलाय नमः
यथार्थ दृष्टि जीवनाय नमः
विज्ञसद्गुणाय नमः
अग्रणी शास्त्र सर्वस्वाय नमः
विश्वोद्पत्यादि दर्शकाय नमः
वशीवंश विवर्धनाय नमः
ततपूत यश प्रतापाय नमः
वेदपूत महामुनये नमः
न्यायशीलाय नमः
न्याय कर्त्रे नमः
सत्यांगिने नमः
सेवाव्यसनाय नमः
शून्याय नमः
उत्कंठा उत्सनिर्गमाय नमः
त्यागी विचक्षण शास्त्राय नमः
नित्यप्रेम परिप्लुताय नमः
ज्ञान विज्ञान नैपुण्याय नमः
विद्यावरिधि मन्दराय नमः
विद्यावरिधि मन्दराय नमः
सुधीसंयमाय नमः
कणक्षण कलाकोषाय नमः
अदंभ दानदक्षाय नमः
विशेषा शेष पुरुषार्थय नमः
मनस्विने नमः
उत्सव श्रेष्ठाय नमः
कायाक्लेश निवारकाय नमः
सत्त्वं मूर्त्ति ऋजुमूलाय नमः
वरिष्ठ साधु भूषणाय नमः
वांछितेंछाप्रपूरकाय नमः
अणु परमाणु ज्ञात्रेनमः
मंत्र तंत्र यंत्र गतये नमः
नाद संवाद मर्मज्ञाय नमः
दुराधर्ष नियामकाय नमः
विकल्प संकल्प स्वामिने नमः
शान्ताकार व्यस्थितये नमः
निरपेक्षकाय नमः
आन्वक्षिकीविद्यारतिज्ञाय नमः
ब्रह्मयज्ञे प्रतिष्ठिताय नमः
कृपाकृपाणकृपाणाय नमः
सिंधुविन्दु समर्पणाय नमः
क्रियाकलाप नवलाय नमः
तारणक्षम सत्त्ववते नमः
सर्वभूषण भूषणाय नमः
सर्वालंकृताय नमः
निरालंवाय नमः
शलाकासिद्ध मानवाय नमः
अवधूताय नमः
भगवत् पराय नमः
अमोघ वाचे नमः
सत्त्व निषेवण निष्ठा श्रद्धाय नमः
उज्ज्वलचरित्राय नमः
वग्मिने नमः
सर्वसंग विवर्जिताय नमः
कन्दमूल फलाहारिणे नमः
प्रभाप्रमेय अज्ञेयाय नमः
द्वंद्वातीत अहिंसकाय नमः
जटाधारी प्रभायुताय नमः
आत्म क्रीडाय नमः
आत्मारामाय नमः
अचलाय नमः
सत्त्व संपन्नाय नमः
बहुज्ञाय नमः
श्लाध्याय नमः
दुर्घटाय नमः

अनुभावाय नमः
आलौकिकाय नमः
अभिज्ञाय नमः
दृढसोहृदाय नमः
याज्ञिकाय नमः
अतुलिताय नमः
उदासीनाय नमः
शुचार्पिताय नमः
महाकाव्याय नमः
तुष्टिदाय नमः
जिह्वोपस्थजयाय नमः
केवलकैवल्यध्येयाय नमः
जाज्वल्य मान मुखशोभाय नमः
कर्णधराय नमः
इन्द्रजाल निवारकाय नमः
सद्गुण संचाराय नमः
प्रसूताद्विज सत्तमाय नमः
उद्वेग रहित स्थितये नमः
अलक्ष्य वेगाय नमः
निर्दुष्टाय नमः
जननी भाग्य शालिने नमः
विकासाय नमः
द्रविणाय नमः
कथाकर्ण मनोहराय नमः
स्वनाम धन्याय नमः
स्मणीयाय नमः
ध्यान योग्याय नमः
सुशान्ताय नमः
प्रान्त संस्थिताय नमः
ध्वान्त नाशकाय नमः
समर्थाय नमः
नवलाय नमः
चिन्मयाय नमः
स्वामिने नमः
दृग्गोचराय नमः
कठिन साधन शीलाय नमः
अभिनेत्रे नमः
सत्यात्मक सत्यभाषणाय नमः
ऊर्ध्व रेतसे नमः
समुन्नतये नमः
अण्डवतविश्वक्रोडस्थाय नमः
मार्मिकाय नमः
ध्यानावस्थिताय नमः
भीमरूपाय नमः
आत्म सम्मानाय नमः
निर्दभाय नमः
अंतकरणनिर्मलाय नमः
विस्फोटकाय नमः
शिष्टाय नमः
विशिष्टाय नमः
रसमयाय नमः
कक्षाकोटिरभिप्लुताय नमः
गुंजित मंत्र संहिताय नमः
यश शरीरिणे नमः
धवलाय नमः
करूणाकराय नमः
भावुकाय नमः
तीर्थास्पदाय नमः
गोस्वामिने नमः
ध्यानदयाय नमः
शौर्याय नमः
वैराग्याम्बुज दिन मणये नमः
संजीवन जीवतन्तवे नमः
अकाट्य वाक्य विन्यासाय नमः
संज्ञावर्ण क्रम प्रियाय नमः
उन्नतये नमः
संगठन प्रियाय नमः
योगिने नमः
उद्योगिने नमः
विमलाय नमः
विश्वासाय नमः
व्यावसायाय नमः
इंगित मात्र निर्माणाय नमः
सुसंकल्पाय नमः
बिंदुसागरकारकाय नमः
अग्रगण्याय नमः
सप्तर्षि वृन्दशोभिताय नमः
अमूल्याय नमः
चित्तविक्षेप विस्मृताय नमः
सर्वस्वं शरणगतये नमः
आत्मोद्धार प्रयोजनाय नमः
रोमरोमध्यध्वनि ब्रह्मणे नमः
भावात्मकाय नमः
सूर्यकोटिसमप्रभाय नमः
उर्जा स्फूर्तये नमः
दिव्याय नमः
प्रतिज्ञा परिपालकाय नमः
उत्तमाय नमः
पाखंड प्रतिबन्धिताय नमः
सनमतये नमः
स्मृतये नमः
व्रतिने नमः
कीर्त्तये नमः
संयोगिने नमः
सकलावस्थाज्ञापकाय नमः
समीरसत्तम शुद्धाय नमः
संकट ग्रह निष्प्राणाय नमः
संवाहकाय नमः
अधिकारिणे नमः
चमत्कारिणे नमः

**नमामि महर्षि गौतम ❊ 10**

अविनाशिने नमः
आयाम बलवि स्तराय नमः
विपुलाय नमः
भावकूलाय नमः
निंदास्तुतितुल्याय नमः
कुल्यधाराय नमः
समन्वाय नमः
ध्यानकुंज वातायनाय नमः
प्रदाताभाव संपदाय नमः
वरेण्याय नमः
विवेकाय नमः
धैर्याय नमः
अंगीकार सहजोत्थाय नमः
भौतिक देविक क्लेश
अध्यात्मननिवारिताय नमः
क्षमावीराय नमः
धर्मवीराय नमः
स्वच्छन्दाय नमः
ज्ञान विज्ञान उद्यानाय नमः
कृत्यकृत्य कलेवराय नमः
उदाराय नमः
वाङ्मयस्तंभाय नमः
दुर्गमाय नमः
अतृप्तचक्षवे नमः
आराधिताय नमः
त्यागवैराग्य मूषिताय नमः
निजलाभ पूर्णाय नमः
प्रबाल प्रतिपूजकाय नमः
विगतस्पृहाय नमः
दुसंगरंग भंजकाय नमः
मादक माधुरिणे नमः
अक्षयाय नमः
कालबलाय नमः
आर्यावर्त्तसुसज्जिताय नमः
पिंडेब्रह्माण्डानुभूतये नमः
समासे व्यास वर्णिताय नमः
सर्वदुःख समाधानाय नमः
अष्टसिद्धये नमः
नवनिधये नमः
कलाकौतुकाय नमः
गुणसंग विवर्जिताय नमः
अनुग्रहाय नमः
अखिलाय नमः
गुरवे नमः
आविष्टचेता कल्याणाय नमः
अनुरागिणे नमः
निर्वाण सुख संविदाय नमः
सर्वक्षेत्र विकारविदे नमः
स्वरूपमोहकाय नमः
कल्यणाय नमः
तुष्टाय नमः
पुष्टं चिंतन सर्वदाय नमः
परावरेशाय नमः
श्रुति सम्मताय नमः
अमानिने नमः
मानदाय नमः
मान्याय नमः
वदान्याय नमः
दिव्य दायकाय नमः
गायकाय नमः
गतिसंगीताय नमः
स्वराय नमः
ईश्वरपायकाय नमः
दैवीसंपदा सज्जिताय नमः
आसुरीसंपदात्याज्याय नमः
किंकरोपासकाय नमः
वन्द्यमान चरणाय नमः
ब्रह्मवादाय नमः
हृषीकेशानुवर्त्तनाय नमः
सौमनस्याय नमः
क्षेम लक्षणाय नमः
उपगुप्तवित्ताय नमः
विश्रुतविक्रमाय नमः
प्रियवर प्रदाय नमः
दृढव्रताय नमः
महायतये नमः
महामृत मग्न चित्ताय नमः
गुणमान्याय नमः
खलदाहनाय नमः
धर्मस्थिताय नमः
सत्क्रियर्थाय नमः
बुधमनोज्ञ संयोगाय नमः
अखंडबोधाय नमः
तृप्तिदाय नमः
शीलव्रताय नमः
अजस्त्रसुखदायकाय नमः
अजिताय नमः
सत्समागमाय नमः
विषादवैषम्य क्षम्याय नमः
कृपानिधये नमः
परितुष्टाय नमः
परोद्यमाय नमः
सर्वभूतानुरंजनाय नमः
परावरवित्तमाय नमः
गतमत्सराय नमः
सुहृदानंदिवर्धनाय नमः
सुश्रवज्ञाय नमः
सुद्विजास्तिमाय नमः
प्रशस्ति पूरिताय नमः
परार्थ निष्ठाय नमः
निष्कर्मणे नमः
निवृत्त तमसाय नमः
गुणाधराय नमः
गुणभोक्त्रे नमः

गुणाश्रयाय नमः
शुचिसद्मने नमः
प्रियात्मने नमः
भूरिकरूणाय नमः
सतांपतये नमः
रसिकाय नमः
विज्ञानमात्राय नमः
आत्मद्योताय नमः
गुणैच्छिन्नाय नमः
तीव्रसर्वत्रसर्वगाय नमः
निश्चितमानसाय नमः
सर्वभाव विनिर्मुक्ताय नमः
दुःखअत्यन्तनाशकाय नमः
अमोघवीर्याय नमः
संस्कृतात्मने नमः
अविक्रियाय नमः
प्रेमवीक्षणाय नमः
निजशिक्षा अंगभूताय नमः
विद्याप्रकाशाय नमः
आनंद विग्रहाय नमः
साक्षिणे नमः
प्रेमपरिप्लुताय नमः
साधुलोकभय पहाय नमः
परम मंगल सर्वदाय नमः
धर्ममयाय नमः
अकल्मषाय नमः
शाश्वत शान्तिरलंकृताय नमः
क्षेमधाम्ने नमः
गुणग्रामाय नमः
विनिर्धूत मनोमलाय नमः
देह इन्द्रिय प्राण दुहाय नमः
परिशुद्धभावाय नमः
स्वस्तये नमः
परमानन्द संपन्नाय नमः
वासतविप्रभान्वीताय नमः
संसिद्धि व्यवहारकिने नमः
प्रतिलब्ध मनोरथाय नमः
निमग्न चित्ताय नमः
कृतधिये नमः
सर्वबुद्धिदृशे नमः
आत्मोत्सवरूपमानाय नमः
प्रपन्नभय भंजकाय नमः
प्रणयावलोकाय नमः
ध्यान मंगलाय नमः
यतचित्ताय नमः
पापकर्शनाय नमः
ज्ञानघनाय नमः
बहुधा बोधन पटवे नमः
दुराराध्याय नमः
कामवर्षाय नमः
आर्त्तबन्धवे नमः
दीनानाथाय नमः
सुव्रताय नमः
अनिरूद्धात्मशक्तये नमः
भजनीयाय नमः
गुणालयाय नमः
भूरिवर्चसे नमः
प्रवृत्ताय नमः
सत्यव्रताय नमः
परंतपसे नमः
दग्धकिल्विषाय नमः
निवृत्ताय नमः
लोकपूज्याय नमः
मंत्रतत्व लिंगाय नमः
अखंडबोधाय नमः
धारा प्रवाह शिक्षणाय नमः
अन्तरालयाय नमः
विशालाय नमः
अध्यात्मविदे नमः
कारूणिकाय नमः
सद्नुग्रहाय नमः
सम्मानिताय नमः
कारणात्मने नमः
संप्रज्ञानाय नमः
सर्वसिद्धिकरंपराय नमः
आशनोत्तम श्रृंगाराय नमः
तीर्थनिष्ठाय नमः
माहमतये नमः
सर्वभाव विनिर्मुक्ताय नमः
पुण्यश्लोकयथोचिताय नमः
सरहस्याय नमः
परमश्रुतये नमः
स्वधर्म अनुतिष्ठताय नमः
ज्ञानतृप्ताय नमः
संयताक्षाय नमः
धर्मवत्सलाय नमः
अविकुंठाय नमः
सूक्ष्माय नमः
अखिलेशाय नमः
सर्वसामर्थ्य विवर्धकाय नमः
पुण्यात्ममीमांसाय नमः
स्वतप्त संसार संस्तुतये नमः
अन्यतमाय नमः
निरंजनाय नमः
कर्मशीलाय नमः
स्वकर्मकृताय नमः
उपरतये नमः
धात्रे नमः
आर्य संगम भूषणाय नमः
सत्यसन्धाय नमः
साक्षात्सर्वदाय नमः
प्रधानाय नमः

प्रतिभासुष्ठवे नमः
भवसागर सम्प्लवाय नमः
ऋतभाषिणे नमः
ऋजवे नमः
सुज्ञाय नमः
वल्गुभारतये नमः
युक्तिमताय नमः
अक्षुण्णाय नमः
अंतरंगाय नमः
ब्रह्मशक्तये नमः
उपगीयमानसत्कीर्त्तये नमः
प्रफुल्लित मुखाम्बुजाय नमः
ज्ञानविधूत मोहाय नमः
सत्यवतेन नमः
सत्यव्रताय नमः
नयकोविदाय नमः
मायामर्दन दक्षाय नमः
सर्वांगपुष्टि संयुक्ताय नमः
सुमचित्ताय नमः
अनुकंपा अहैतुकिने नमः
महिमा व्यापकाय नमः
पूर्णाय नमः
अक्षराय नमः
संसारचक्रदर्शकाय नमः
प्रज्ञासमाहित सर्वाय नमः
तादात्म्य आखिलाय नमः
ब्रह्मदृष्ठाय नमः
वंदितां ध्रये नमः
असह्यराष्ट्रविप्लवाय नमः
विरलाय नमः
सर्वसत्त्वोप वृंहिताय नमः
विचित्रमाया विततताय नमः
मुनिपुंगवाय नमः
कर्मगतये नमः
सुधा सिन्धवे नमः
सिद्धार्थाय नमः
प्रभापुंजाय नमः
अधमर्षणाय नमः
दुरन्त शक्तये नमः
सर्वलोकशर्माय नमः
महाध्वरावाय नमः
अतन्द्रिताय नमः
संश्रिताय नमः
गूढार्चये नमः
ऋषभाय नमः
सर्वप्रत्याय नमः
हेतवे नमः
साधवे नमः
विचित्र वीर्याय नमः
बलिने नमः
पुण्यकलाय नमः
योगरंजितकर्मजालाय नमः
वितर्कगोचर तीव्राय नमः
मन्मथ वशीकर्त्रे नमः
हर्तामदनकल्मषाय नमः
रसालौकिक तृप्ताय नमः
दृप्तयोगाय नमः
विभाविताय नमः
परोधर्माया नमः
धर्मगोप्ते नमः
सकर्माकर्मक कर्मणे नमः
सक्रियाय नमः
कर्म प्रेरकाय नमः
कर्मतन्त्राय नमः
प्रपन्नपालाय नमः
निर्विशेषाय नमः
शुचिमूताय नमः
सदाभासाय नमः
नैसर्गिकिने नमः
प्रियंकराय नमः
जगद्गुरुवे नमः
कृतवेदानु शासनाय नमः
अन्वयव्यतिरेकाय नमः
जगमंगलाय नमः
वृहदव्रताय नमः
प्रहृष्टात्मने नमः
कर्मसाधकाय नमः
कर्मसन्यासाय नमः
कर्मत्वविधाकाय नमः
विलक्षणाय नमः
न्यायज्ञाय नमः
सर्वसम्मताय नमः
न्यायदृष्टये नमः
न्यायमूर्तये नमः
न्याय शिक्षकाय नमः
न्याय कल्याण वरदाय नमः
वर्णोचारण सत्प्रथाय नमः
वास्तवाय नमः
कर्ममूलाय नमः
कर्मप्रियाय नमः
सत्कर्मणे नमः
निष्कर्मणे नमः
रागद्वेषिणे नमः
मन्युशून्याय नमः
सदाशान्ताय नमः
विर्जिताय नमः
प्रभात्रे नमः
अनुभूति विशेष कृताय नमः
संताप ताप नाशकाय नमः
धर्मनिष्ठाय नमः
धर्म शीलाय नमः
धर्मात्मने नमः
धर्म वैदुष्याय नमः
धर्मकर्मे समन्वयाय नमः

विस्तारयज्ञ वितानाय नमः
प्रख्यातर्कभास्कराय नमः
प्रबलाय नमः
स्विष्टकृताय नमः
सदामंगलशेवधये नमः
प्रतिभा विरलाय नमः
प्रधान दर्शन काराय नमः
अप्राकृताय नमः
सनाथाय नमः
स्थायिने नमः
अशोकाय नमः
शोक मोह निवारकाय नमः
शुद्धमोक्षणाय नमः
कर्मतंत्राभिनिवेशाय नमः
पिंडरूथद्वैताज्ञानै म्यासेन नमः
ब्रह्मविद्याविचारकाय नमः
धर्मप्राणाय नमः
आदर्शाय नमः
पर्व उल्लासाय नमः
बुध प्रेषित विज्ञप्तये नमः
प्रशस्ति शास्त्र साक्षराय नमः
अक्रूराय नमः
सूराय नमः
सोत्साहाय नमः
अध्यात्म प्रहरीदृढाय नमः
ऋणमुक्ताय नमः
भावयुक्ताय नमः
सूत्रोक्तजताधारकाय नमः
निष्परिग्रहाय नमः
अर्थ विदे नमः
कृपामयाय नमः
विख्यात सौजन्याय नमः
आहृताय नमः
प्राज्ञाय नमः
गायत्रीव्रतमास्थिताय नमः
सत्कर्म वेदाभ्यासाय नमः
द्वेषा द्वेषी छद्म वेषिणे नमः
षड्यन्त्र निवारकाय नमः
संकल्प कामजेतृ नमः
हितार्थाय नमः
स्वनिवृतये नमः
महाभागाय नमः
विश्वावंतसाय नमः
सकलाकृत्य निर्झराय नमः
सिद्धाधिपाय नमः
निषिद्ध काम्य रहिताय नमः
योगीश्वराय नमः
परमहंसाय नमः
चमत्कार वरूथाय नमः
सर्वचेष्टाअर्थपूर्णाय नमः
शिक्षकशिरोमणये नमः
शिक्षारण्य बिहारणे नमः
चित्ताय नमः
चैतन्याय नमः
तथ्यकथ्य वंक्तुनिर्भीकाय नमः
विनोदिनी नमः
सद्मानाय नमः
समदृशे नमः
निमोहिने नमः
उपचार प्रचारकाय नमः
शाकल्य संभृत वर्णाय नमः
त्यक्तमायामृगमरीचिकाय नमः
व्यापक तत्वमर्शनाथ नमः
संसारचक्रनि ग्रहाय नमः
प्रतिपति सुसानाय नमः
सुखाकराय नमः
मस्तिष्केगणनायकाय नमः
क्षराक्षपा नमः
वेधदीक्षा विशारदाय नमः
नीरकाय नमः
चिदानंदाय नमः
अगाध हृदयाय नमः
भ्रान्ति हरणाय नमः
उपासनापरितोषाय नमः
अनुकंपास्पदाय नमः
दीनोद्धार परायणाय नमः
अदेयदाननैपुण्याय नमः
नर्मदाय नमः
सत्संगीरमण प्रेष्ठाय नमः
निर्ममाय नमः
सर्वाधिकारिणे नमः
श्रद्धाविश्वासधारिणे नमः
तितिक्षा संपन्नाय नमः
श्रेयाय नमः
चिंतनशीलाय नमः
विशिष्ट परिशिष्टाय नमः
सूक्ष्माय नमः
अनुशीलन निष्णाताय नमः
निर्धारिताय नमः
निर्देशकाय नमः
समानाय नमः
सन्मानाय नमः
समीप स्थाय नमः
दूरस्थाय नमः
निर्द्वदाय नमः
चतुराय नमः
चरणातपत्रताप निवारकाय नमः
शास्त्र शृंगाराय नमः
गुर्जगौड़ विप्रवृन्द भाग्याय नमः
नीति रीति पवित्राय नमः
ब्रह्मविद्याविवेकाय नमः
संवलाय नमः

निष्पक्षाय नमः
अखिल वेशधारकाय नमः
जयाय नमः
विजयाय नमः
लाभालाभसमानाय नमः
वाचस्पतये नमः
कलितकलाकाराय नमः
व्यर्थवाणीवर्जिताय नमः
उचिताय नमः
प्रज्ञापरायणाय नमः
विद्याव्यसन निमग्नाय नमः
ललिताय नमः
संस्कार संपन्नाय नमः
सौरभ समुद्राय नमः
अनुराग पराग पूरिताय नमः
शास्त्र सुमन मिलिन्दाय नमः
अलौकिकभाव मत्ताय नमः
निदर्शिकायै नमः
सर्वदोषनिवर्ताय नमः
आत्म कल्याण तत्पाराय नमः
धृतात्मने नमः
अनवरताय नमः
उत्कर्ष धनाय नमः
प्रणेता साहित्याय नमः
अर्पण कर्म सभादाय नमः
विकल्प विलक्षणाय नमः
सर्वाधिपरिवर्जनाय नमः
सर्वासुभोपाशभाय नमः
समृद्धि वर्धकाय नमः
न्याप्रसाद आसक्ताय नमः
चंदन समाय नमः
निकर्षाय नमः
निर्बाधाय नमः
संकल्प कामजेत्रे नमः
गुप्त परमाणु बीजाय नमः
वृक्षवैविध्यदर्शकाय नमः
विन्दान विद्या वारिणये नमः
कर्त्ता शुभारंभाय नमः
चतुर लक्ष्य संधानाय नमः
महाहंसाय नमः
साधुसम्मताय नमः
अकिंचनाय नमः
अतुलित सुरप्रियाय नमः
समस्त कर्ता निर्दमाय नमः
वाणी कल्याणी प्रवीणाय नमः
अतीतानागत दर्शकाय नमः
दारूणाय नमः
विपश्चिताय नमः
विशुद्ध सत्त्व धिष्ण्याय नमः
सहजाय नमः
अन्याय नमः
चित्रणाभ्यासाय नमः
विरलाय नमः
निरवधिमनोरंजकाय नमः
म्हात्म्य संभृत धराय नमः
उपकाररतेय नमः
प्रवृत्ति निरताय नमः
संघ पुनीत सामग्रिणे नमः
परिभाषा प्रभायुक्ताय नमः
दुर्मेधामय सार्थकाय नमः
विचित्र माषाविज्ञाय नमः
भूरिवर्त विप्र वृत्ताय नमः
आर्यावर्त्त सुसज्जिताय नमः
शौर्यादम्यसौभाग्याय नमः
ब्रह्मिष्ठब्रह्मदर्शनतत्पराय नमः
अंडवत् विश्व क्रोडस्थाय नमः
वेदोपवेद कंठस्थाय नमः
श्रद्धाधाराय नमः
मनीषा निष्कर्षाय नमः
पूर्णमनोरथाय नमः
अद्‌भुत दर्पणाय नमः

**स्वस्ति महर्षि श्री गौतम प्रभु : हवनात्मक एवम् नमस्कारात्मक नामावलि सम्पूर्णः**

रचयिता – गिरिराज गोस्वामी 'अनन्त' (मथुरा)


**प्रकाशन सौजन्य से :**

| |
|---|
| **'गीता प्रेस पुस्तक व पूजा सामग्री भण्डार'** गीता भवन, जोधपुर<br>पं. किशोरीलाल जोशी (9414450749) विष्णु जोशी (9414919884, 9530053809) |
| **'श्री सन्देश'** सरदारपुरा, जोधपुर<br>नरेन्द्र साँखी (9414700589) नवनीत साँखी (9001795078) |
| **'सूरज रोड़ लाईन'**, तिंवरी<br>गंगाविशन मनीष जोशी (मथानिया) (8107837191) |
| **SURGIWIN** (1-Amarnath Building, MGH Road, Jalori Gate, Jodhpur)<br>Mahendra Upadhyay (94141 71278) |

# आरती : अक्षपाद महर्षि गौतमजी

ॐ जय गौतम त्राता, स्वामी जय गौतम त्राता ।
ऋषिवर पूज्य हमारे, मुद-मंगल गाता ।। टेर ।।
द्विज कुल कमल दिवाकर, परम न्यायकारी ।
जन-कल्याण करण हित, न्याय रच्यो भारी ।।
ॐ जय.....।।1।।

पिप्पलाद सुत शिष्य आपके, सब आदर्श भये ।
वेद शास्त्र दर्शन में, पूरण कुशल हुए ।।
ॐ जय.....।।2।।

गुर्जरकरण विनय पर, तुम पुष्कर आये ।
सभी शिष्य सुतगण को, अपने संग लाये ।।
ॐ जय.....।।3।।

अनावृष्टि के कारण, संकट आन पर्‌यो ।
भगवन् ! आप दया कर, सबको कष्ट हरयो ।।
ॐ जय.....।।4।।

पुत्र प्राप्ति के कारण, नृप को यज्ञ कियो ।
यज्ञदेव आशीष से, सुत को जन्म भयो ।।
ॐ जय.....।।5।।

भूप मनोरथ पाया, चिन्ता दूर करी ।
प्रेतराज पामर की, निर्मल देह करी ।।
ॐ जय.....।।6।।

अक्षपाद गौतम की, आरती जो गावे ।
'प्यारे' ऋषि कृपा से, मन वांछित फल पावे ।।
ॐ जय.....।।7।।

रचयिता – पण्डित प्यारेलाल (झालरापाटन)



परिहार डीटीपी एण्ड सल्यूशन्स # 94133 27327